ब्लॉक - 10

दूरस्थ शिक्षा

अस्पताल में बुनियादी सेवाएं

Hospital Utility Services

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,
न्यू महरौली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

National Institute of Health and Family Welfare
New Mehrauli Road, Munirka, New Delhi-110067.

आरोग्यम् सुखसम्पदा

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

ब्लॉक-10

अस्पताल में बुनियादी सेवाएं

यूनिट-1
गृह-प्रबंधन सेवाएं

यूनिट-2
अस्पताल-इंजीनियरी सेवाएं

यूनिट-3
अस्पताल में सुरक्षा एवं अग्निशमन

यूनिट-4
अस्पताल में संचार सुविधा

यूनिट-5
चिकित्सा-सामाजिक सेवाएं

यूनिट-6
शवगृह

अगस्त 2002

© राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, 2002

सर्वाधिकार सुरक्षित इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण किसी भी रुप में या किसी भी तरीके से राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरका, नई दिल्ली की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

पाठ्यक्रम कोर टीम

पाठ्यक्रम निदेशक	प्रो.एम.सी.कपिलाश्रमी
पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ.जे.के.दास

यूनिट लेखक

सिस्टर लुसिया पनीकुलम	होली फैमिली अस्पताल, नई दिल्ली
डॉ. ए.पी.चौधरी	महाराजा अग्रसेन अस्पताल, नई दिल्ली
सर्जन कैप्टन(डॉ.)एन.ए.खान	अस्पताल परामर्शदाता
श्री एल.आर.लाला	अस्प्ताल परामर्शदाता
लै.कर्नल (डा.)पवन कपूर	डीजीएमएस(सेना) कार्यालय, दिल्ली
डा.नीरज सेठी	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान नई दिल्ली

सम्पादकीय टीम

प्रो.एम.सी.कपिलाश्रमी	निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान नई दिल्ली
डा.जे.के.दास	एम.सी.एच.ए.विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली
कर्नल(डा.)आर.एन.बासु	मुख्य कार्यपालक अधिकारी, चिकित्सा निदेशक घई मेडिकेयर एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पटना
मेजर जनरल(डॉ.)एस.के.बिस्वास	अस्पताल परामर्शदाता

आभार

पाठ्यक्रम कोर टीम राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली के दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र कार्यालय से प्राप्त सहायता का कृतज्ञता से आभार प्र ाकट करता है जिसने प्रारम्भिक चरण में इस परियोजना पर कार्य करने तथा इसे विकसित करने में अपना पूरा सहयोग दिया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के एमसीएचए विभाग के अंश-कालिक फैकल्टी, डा.आनन्द, आर.टी. का भी आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने इन संशोधित मापदण्डों को विकसित करने के लिए अपनी निरन्तर सहायता, सहयोग तथा तकनीकी सहायता प्रदान की है।

डी.एच.ए.पाठ्यक्रम में हमारे स्नातकोत्तर विद्यार्थी डॉ.विनीत गोयल तथा डॉ.अनामिका खन्ना ने इस पुस्तक के सम्पादन तथा वर्ड प्रोसेसिंग में सराहनीय कार्य किया है।

भूमिका

काफी समय से प्राथमिक स्वास्थ्य देख-रेख के माध्यम से ष्सभी के लिए स्वास्थ्यष हमारा उद्देश्य रहा है। स्वास्थ्य देख-रेख डिलीवरी प्रणाली में अस्पताल एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यद्यपि, स्वास्थ्य देख-रेख डिलीवरी प्रणाली में चिकित्सा अधिकारी दल के नेता हैं तथा अस्पताल के प्रबंधकों से इन क्षेत्रों में कम प्रशिक्षित होते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर दोनों चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रबंधकीय कौशल तथा नेतृत्व क्षमता में किसी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। परिणामस्वरुप, सामान्यतः चिकित्सकों को प्रबंधकीय कौशल अनायास प्राप्त होता है। सामान्य अनुभव भी यह है कि उन्हें इन मामलों पर सलाह लेने के लिए आवश्यक रुप से अपने अधीनस्थ तथा लिपिकीय स्टाफ पर निर्भर रहना पड़ता है। चिकित्सा कार्मिकों को विभिन्न वर्गों की जानकारी में इस अन्तर को पूरा करने के लिए अस्पताल प्रबंधन (दूरवर्ती शिक्षा) स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम एक प्रयास है।

उपर्युक्त को देखते हुए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने प्रारम्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्राप्त वित्तीय सहायता से अस्पताल प्रशासन में लगे/उसमें रुचि रखने वाले बड़ी संख्या में चिकित्सा कार्मिकों को सुगमता से सुअवसर प्रदान करने के लिए दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम तैयार किया है। राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न संस्थाओं से प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा अस्प्ताल प्रशासन में प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के पश्चात इस प्रयोजन के लिए गठित विशेषज्ञ ग्रुप द्वारा कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण सामग्री साधन विकसित किए गए। प्रशिक्षण सामग्री की सुपाठ्यता, प्रासंगिकता, स्पष्टता तथा जीवन की विभिन्न स्थितियों में उपयुक्तता का निर्धारण करने के लिए इनका पूर्व-परीक्षण किया गया। प्रशिक्षण सामग्री को विशेषज्ञ कोर ग्रुप द्वारा अंतिम रुप दिया गया और उनके द्वारा यह प्रयास किया गया कि इसे प्रयोक्ता के अनुकूल बनाया जाए। तत्पश्चात मैनुअल के रुप में प्रशिक्षण सामग्री 2002 में विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रुप से संशोधन किया गया।

मैं आशा करता हूँ कि इस पाठ्यक्रम को करने वाले हमारे चिकित्सकों में प्रबंधकीय सक्षमता का विकास करने के लिए प्रयोक्ता अनुकूल यूनिटें लाभदायक होगी।

(एम.सी.कपिलाश्रमी)
निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

अगस्त 2002
नई दिल्ली